विद्या भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

कक्षा-5 **तिथि-31/05/2020**

विषय-संस्कृत

सुप्रभात बच्चों,

आज संस्कृत व्याकरण में द्वितीय पाठ 'अकारान्त पुल्लिंग शब्द' के बारे में विस्तार से समझेंगे-

द्वितीय पाठः

अकारांत पुल्लिंग शब्द

* **अकारांत**- संस्कृत व्याकरण में किसी शब्द का अंतिम वर्ण 'अ' हो तो अकारांत शब्द कहते हैं।

* **पुल्लिंग**- पुरूष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं। जैसे- बालकः , अश्वः ,गजः इत्यादि।

* **वचन**- जिन शब्दों से किसी वस्तु या प्राणी की संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं। संस्कृत में वचन तीन हैं-

एकवचन- (एक संख्या के बोधक)

द्विवचन- (दो संख्या के बोधक)

बहुवचन-(दो से अधिक संख्याओं)

*** अकारांत पुल्लिंग शब्द के तीनों वचनों के रूपों का अध्ययन करेंगे-**

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
बालकः	**बालकौ**	**बालकाः**
(एक बालक)	(दो बालक)	(बहुत-से बालक)
वानरः	**वानरौ**	**वानराः**
(एक बंदर)	(दो बंदर)	(बहुत-से बंदर)
सिंहः	**सिंहौ**	**सिंहाः**
(एक शेर)।	(दो शेर)	(बहुत-से शेर)
शशकः	**शशकौ**	**शशकाः**
(एक खरगोश)	(दो खरगोश)	(बहुत-से खरगोश)
मीनः	**मीनौ**	**मीनाः**
(एक मछली)	(दो मछली)	(बहुत-से मछली)

क.<u>निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखे:-</u>

1.अकारांत को परिभाषित करें।

2.पुल्लिंग शब्द किसे कहते हैं?

3.वचन को परिभाषित करें।

4.संस्कृत में वचन कितने हैं?

ख. रिक्तस्थान पूर्ति करें-

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
बालकः	……..….	बालकाः
……..	मीनौ	मीनाः
अश्वः	अश्वौ	…….
श्रमिक:	…….	श्रमिकाः
…….	छात्रौ	छात्राः

Subject Teacher's-Sumita Kumari